

रक्त बंधन

रक्त बंधन श्रृंखला किताब 5



हिंदी अनुवाद



एमी ब्लंकेनशिप, आरके मेलटन

Table of Contents

[अध्याय 1](#)

[अध्याय 2](#)

[अध्याय 3](#)

[अध्याय 4](#)

[अध्याय 5](#)

[अध्याय 6](#)

[अध्याय 7](#)

[अध्याय 8](#)

[अध्याय 9](#)

[अध्याय 10](#)

[अध्याय 11](#)

[अध्याय 12](#)

[अध्याय 13](#)

[अध्याय 14](#)

[अध्याय 15](#)

[अध्याय 16](#)

रक्त बंधन
रक्त बंधन श्रंखला किताब 5

एमी ब्लैकेनशिप, आरके मेलटन
अनुवादक: मुमताज नाज़ा

कॉपीराइट © 2012 एमी ब्लैकेनशिप
द्वितीय संस्करण टेकटाइम द्वारा प्रकाशित किया गया
सर्वाधिकार सुरक्षित

अध्याय 1

उसके चारों ओर किसी कैलाइडोस्कोप की तरह चमकती रोशनी और रंगों से सजा लॉस एंजिल्स शहर फैला था। दूर से आती हुई शहरी जीवन की आवाजें उसके कानों में बज रही थीं, लेकिन सिन का ध्यान उन पर नहीं था, बजाय इसके वह अपने आस-पास चल रही कोमल हवा की सरसराहट सुन रहा था। वह शहर की सबसे ऊंची इमारतों में से एक की सबसे ऊंची चोटी पर संतुलन बनाए हुए खड़ा था, उसका शिखर ही वह चीज थी जिसे उसके पैरों ने छुआ था।

सिन ने अपने हाथों को अपनी पैंट की जेबों में ठूस लिया था, जबकि उसका ट्रेंच कोट एक लंबे लबादे की तरह उसके पीछे फड़फड़ा रहा था, जो कभी गायब हो जाता था और कभी फिर से प्रकट हो जाता था, जैसे कि यह कोई जीवित चीज हो। उसके लंबे काले बाल उसके चेहरे से पीछे की ओर उड़ रहे थे और उसकी चिरस्थायी सुंदरता को प्रकट कर रहे थे जैसी इस दुनिया में शायद ही कभी देखी गई हो।

उसने अपनी आभा को उन सभी प्राणियों से छुपा कर रखने की सावधानी बरती थी, जो उसे महसूस कर सकते थे, लेकिन वह बहुत नीचे जमीन पर विचरने वाली उन सभी आभाओं को महसूस कर सकता था... जो अपने जीवन के लिए लगभग बिना किसी की परवाह किए इस दुनिया में मनुष्यों के बीच में घूम रहे थे।

अपने ठीक नीचे, सीधे पेंटहाउस की बालकनी की ओर देखते हुए, जब उसने सुना कि डेमन एलिसिया को खूनी पत्थर दे रहा है... उसे उसके अंदर रख रहा है, ताकि वह हमेशा खतरनाक धूप से सुरक्षित रहे, जिससे उसके नए अस्तित्व को खतरा न हो, तो वह मुस्कराया। सिन को ऐसी बहू पर गर्व था, कोई तो ऐसा था, जो डेमन को अपनी ठोकर पर रखे और हर तरह से उसे चुनौती दे, जो महत्वपूर्ण था।

तभी जब उसकी दर्दनाक चीखें आनंद की चीखों में बदल गईं, तो उसकी मुस्कराहट और गहरी हो गई और उसने अपना सिर हिलाया। वह उससे मिलने के लिए इंतजार नहीं कर सकता था।

एक बार फिर सिन ने अपनी नीलम आँखें शहर पर केंद्रित कर दीं, और प्रकाश के क्षेत्रों पर भी लहराते अंधेरे के बुरे रंगों को देखने लगा... ऐसे रंग, जो दूसरे नहीं देख सकते थे। उसे समझ नहीं आ रहा था, कि उसके बच्चों ने शैतानों के खिलाफ यह युद्ध लड़ने का फैसला क्यों किया। अपनी समझ से, वह राक्षसों को भी वैसे ही देखता था, जैसे इंसानों को देखता था... वास्तव में वह उनकी परवाह ही नहीं करता था। फिर भी उसके बच्चों और

स्वच्छंद आत्मिक साथी ने उनके विरुद्ध लड़ने का फैसला किया था... उन लोगों की रक्षा करने के लिए, जो इस तरह के युद्ध में अपना बचाव नहीं कर सकते थे।

अपनी पत्नी... अपनी आत्मिक साथी की याद आते ही उसके चेहरे पर एक हल्की सी मुस्कान आ गई। वह हमेशा दबे-कुचले लोगों के पक्ष में दृढ़ता से खड़ी रहती थी, उन लोगों के लिए जिन्हें कमजोर माना जाता था। वह मानता था कि उसके पिछले जन्मों से अब तक उसमें बहुत कुछ नहीं बदला है... आत्मा तो वही थी, चाहे वह कितनी भी बार पुनर्जन्म लेती। एक बार उसने उसे अपना दुश्मन मान लिया था, क्योंकि उसकी शक्ति उनकी दुनिया में सबसे अधिक थी... उसके विचारों को बदलने में वर्षों लग गए थे।

सूरज क्षितिज पर से झाँक रहा था और सिन ने उसका अभिवादन करने के लिए अपना चेहरा उठा लिया, उसने प्रकाश को अपने ऊपर बहने दिया... ऊर्जा की विशाल मात्रा को महसूस किया और अपने शरीर को इससे भर लिया। सिन जानता था कि उसके बच्चों ने मानव जीवन जीने का चुनाव किया है... ऐसा कुछ जो उसने पहले कभी नहीं किया था। तभी उसे एक दिलचस्प विचार आया और उसके सुंदर होंठों पर एक और हल्की सी मुस्कान खेलने लगी।

हां, उनके साथ शामिल होना काफी मजेदार हो सकता है, क्योंकि उसकी आत्मिक साथी भी सोचती थी कि वह मात्र एक इंसान है और उनके कानूनों के अनुसार रहती थी। वह उनके साथ शामिल होगा... उसके करीब जाएगा और उसे मनाएगा कि वह उसका या किसी और का दुश्मन नहीं है। इस बार वह अपनी अधिकांश शक्ति उससे छिपा कर रखेगा ताकि उसे उससे इतना खतरा महसूस न हो। वह उसका सहयोगी बनेगा, फिर उसका दोस्त बनेगा और फिर एक बार फिर से... उसका साथी बन जाएगा।

मुसीबत एक चट्टान पर बैठी, अपने पैरों को आगे-पीछे हिला रही थी, जिससे हर बार उसके सुनहरे घुंघराले बाल उछल रहे थे। इस सप्ताह वह अपनी बढ़ती हुई सेना के लिए राक्षसों को इकट्ठा करने में बहुत व्यस्त थी। अब भी, उनमें से कुछ उसके चारों ओर के अँधेरे में छिपे हुए थे... और उसे उत्सुकता से देख रहे थे।

जिन राक्षसों को उसने इकट्ठा किया था, उनमें से अधिकांश कमजोर थे, जिनके पास कहने को कोई वास्तविक शक्ति नहीं थी, लेकिन फिर इसी को तो सैनिक कहते हैं। अकेले, यह बस एक कमजोर इकाई होता है। लेकिन अगर आप उन्हें एक साथ एक सेना मानें, तो वे अपनी स्वयं की जान की चिंता किए बिना सबसे मजबूत दुश्मनों को कुचल सकते हैं।

आज रात, मुसीबत ने जंगल में, जो एक तरफ से शहर से घिरा हुआ था, और एक गहरी गुफा तक जाता था, एक प्राचीन आभा की शक्ति को महसूस किया था। द्वेषपूर्ण

ऊर्जा उसकी ओर लपकी थी, वह उसे उसके घर से दूर खदेड़ना चाहती थी, लेकिन मुसीबत इस प्रयास से बस आनंदित हुई थी... जब तक कि उस शक्ति ने उसे शारीरिक रूप से बाहर नहीं धकेल दिया।

जब वह उस राक्षस का सामना करने के लिए उठी, जो सिर पर आ गया था, तो उसे बस एक चट्टान पर बैठा हुआ एक कौवा दिखा, जो पंख फड़फड़ा रहा था। उसकी काली आत्मा को खंगालते हुए, मुसीबत ने जब महसूस किया कि यह पक्षी शैतानों के उन प्राचीन राजाओं में से एक था, जिनकी तब अनदेखी कर दी गई थी, जब गिरे हुए फरिश्तों ने बाकी सब को खदेड़ कर पाताल में भगा दिया था।

यह शैतान अपने चारों ओर के वातावरण में घुल-मिल गया था, और अपने लिए स्थान बना लिया था। इस ज़मीन के स्थानीय अमरीकी निवासी उस शैतान को एक महान आत्मा समझते थे, जो पूजा के लायक था, श्रद्धेय था और और उस प्यार से वह शैतानी राजा और भी शक्तिशाली हो गया था।

दुख उस क्रोध का स्वाद चख सकती थी, जो फीके चेहरे वाले मनुष्यों के प्रति इस दानव के मन में था, जो उसकी ज़मीन पर खुले घूम रहे थे और उसका लाभ उठाने की कोशिश करते थे। वह दानव से लड़ेगी नहीं... क्योंकि वह जानती थी कि इस लड़ाई में वह हार जाएगी, इसलिए वह उससे लड़ने के बजाय उससे एक सौदा करेगी। वह बूढ़ा अपनी प्रजाति वालों को आयामी जेल से रिहा कराने के उसके विचार से सहमत लग रहा था और जंगल की ओर उड़ान भरने से पहले उसने उसे बलिदान के लिए रक्त इकट्ठा करने का निर्देश दिया था... जिस उपकरण की उसे उसकी सहायता करने के लिए आवश्यकता थी।

जब मुसीबत दो पिशाचों और एक सम्मोहित अर्धचेतन पुरुष के साथ गुफा में लौटी, तो द्वेषपूर्ण आत्मा उसका इंतजार कर रही थी। उड़ने से पहले कौवे की तीखी लाल बिंदीदार आँखें उसे घूरती रही थीं। मुसीबत ने शिकार के लिए संरक्षित जंगल के परले किनारे तक उसका पीछा किया। वह एक छोटे से मैदान में पहुँच गई और एक बूढ़े व्यक्ति को एक बड़े से अलाव के पास बैठे देखकर आश्चर्यचकित रह गई।

"मुझे ब्लैक क्रो कहा जाता है," बूढ़े ने कहा।

मुसीबत ने सम्मान में सिर हिलाया। वह किसी ऐसे राक्षस की शक्ति से निपटने के पवित्र तरीकों को याद करने लगी, जिसकी शक्ति उस से अधिक हो। "मैं मुसीबत हूँ।"

ब्लैक क्रो उसका मज़ाक उड़ाते हुए हँसा, "जानती भी हो, असली मुसीबत क्या होती है?"

मुसीबत खामोश रही, और उसने अपनी जीभ काट ली ताकि चीर-फाड़ कर टुकड़े-टुकड़े होने से बच सके। उसके पास शक्ति थी और वह इसे जानता था... उसे यकीन था कि वह भी उसे वैसे ही महसूस कर सकता था, जैसे वह उसे महसूस कर सकती थी।

ब्लैक क्रो उठ खड़ा हुआ और उसके पास आ पहुंचा। उसने उसके मानवीय रूप को गौर से देखा, और समझ नहीं पाई कि कोई, जो इतना शक्तिशाली हो, इतना कमजोर शरीर क्यों चुनेगा। वह प्राचीन, बहुत बूढ़ा और झुर्रीदार लग रहा था, उसके लंबे सफेद बाल थे और उसने गहरे रंग की हिरण की खाल की पैंट पहन रखी थी। उसकी कमीज भी उसी मृगछाला से बनी हुई थी और मोतियों और पंखों से सजी हुई थी। उसके कूल्हे पर एक छोटा सा बटुआ लटका हुआ था और उसके एक कान के ऊपर के बालों में और पंख गुंथे हुए थे।

ब्लैक क्रो अचानक बढ़ा और मानव के सिर को बालों से उठा कर उसके चेहरे को देखा। "यह बहुत अच्छा रहेगा," उसने कहा और अलाव के पास लौट गया।

"तुम मुझसे क्या चाहते हो?" मुसीबत ने पूछा।

"हमें इंतजार करना चाहिए," ब्लैक क्रो ने कहा और अलाव में और लकड़ी डाल दी।

मुसीबत ने अपनी झुंझलाहट को बढ़ने दिया, "किस बात का इंतजार, बुढ़ऊ? मेरे पास अमरत्व नहीं है... मेरा युद्ध होगा, तुम्हारे साथ या तुम्हारे बिना।"

उसे अनदेखा करते हुए, काले कौवे ने अलाव में और लकड़ी डाली और गाना शुरू कर दिया। मुसीबत जाने ही वाली थी, कि उसने पाया कि वह वहीं जाम गई है। वह महसूस कर रही थी कि उसकी शक्ति उससे छिन रही है और उसके बच्चे का रूप सड़ने लगा है। यह उसके लाश वाले रूप का प्रभाव नहीं था... उसके पूरे अस्तित्व से धीरे-धीरे वह शक्ति निचुड़ती जा रही थी, जिसे उसने मनुष्यों से चुराया था।

"तुम्हारी योजना मेरे बिना विफल हो जाएगी।" ब्लैक क्रो ने कृपा दिखाते हुए कहा। "जब तुमने सौदा किया तो तुम्हारा अस्तित्व मेरा हो गया। तू दुर्बल है और मुझ पर कोई अधिकार नहीं रखती, क्योंकि तेरे पास ऐसा कुछ भी नहीं है जो मैं चाहता हूँ।"

मुसीबत अचानक छूट गई, लेकिन उसने उसकी ओर देखा जबकि वह विशाल चट्टान पर बैठी थी और इंतजार कर रही थी कि कौन क्या जानता है। ब्लैक क्रो लगातार आग में लकड़ियाँ डाल रहा था और आग की लपटें अब्दुत ऊंचाई तक पहुंच गई थीं। बूढ़ा खड़ा हुआ और मैदान के दूसरी ओर एक पुराने लाल लकड़ी के पेड़ के पास चला गया जिसकी ओर मुसीबत ने पहले ध्यान नहीं दिया था।

ब्लैक क्रो विशाल जड़ों के बगल में घुटनों के बल बैठ गया और एक मिट्टी मिट्टी उठा ली। अलाव के पास लौटकर, उसका गायन बहुत तेज और लयबद्ध हो गया और उसने उस मिट्टी को आग में फेंक दिया। मिट्टी के जलती हुई लपटों से मिलते ही आग की चिंगारी भड़क उठी और लपटें और ऊंची हो गईं। उसका शरीर किसी आदिवासी नृत्य के ढंग से थिरकने लगा, जबकि उसके मंत्रजप की आवाज़ तेज़ हो गई।

उसके चारों ओर की परछाइयाँ इतनी आगे बढ़ आईं कि बस ब्लैक क्रो ही उनसे अछूता रह गया, जो एक सटीक दायरे में नाच रहा था। वह अचानक रुक गया और उसने अपने पैरों के आसपास की छायाओं की ओर हाथ बढ़ाया। सियाह अंधेरा उसके हाथों की ओर

खिंच आया, और उष्मा भरे स्पर्श की तलाश करने लगा, और ब्लैक क्रो ने उसे पकड़ कर जमीन से बाहर खींच लिया। इसके मिलने से भी आग की लपटें भड़क उठीं, जो जल्दी से एक विस्फोट में बदल गई, जिसने मुसीबत को अपनी आंखों पर हाथ रखने के लिए मजबूर कर दिया।

मैदान एक अमानवीय विलाप से भर गया और मुसीबत ने देखा कि गर्मी से लाल चमकती हुई छाया आग की लपटों से अलग हो गई। यह उड़ कर वापस मैदान के पार गया, वहीं, जहां से ब्लैक क्रो ने मिट्टी उठाई थी और जमीन में गायब हो गया। कुछ ही पलों बाद, मिट्टी ऊपर उठने लगी, जैसे सांस ले रही हो और उसमें से दो मुरझाए हुए हड्डीले हाथ बाहर निकल आए।

ब्लैक क्रो तुरंत उस बलि के पास गया जिसे मुसीबत के पिशाच ले कर आए थे और उसे पकड़ कर खींच लिया।

जब ब्लैक क्रो ने उसे अपने कब्जे में लिया तो वह युवक, जो स्थानीय सामुदायिक कॉलेज का छात्र था, पिशाचों के सम्मोहन से जाग उठा। वह अभी भी पूरी तरह से होश में नहीं था, वह समझ नहीं पा रहा था कि क्या हो रहा था, जब तक कि उसने लंबी तलवार को अपने गले के पास नहीं देखा। जब तक वह इसके बारे में कुछ कर पाता, ब्लेड उसके मांस में धंस गया और उसकी चीखें शांत हो गईं।

खुली लपटों पर खून के छींटे पड़े, जिससे लपटें फुफकार उठीं और चिंगारियाँ निकलने लगीं। जो बाहें ज़मीन से ऊपर उठी थीं, वे अब उसके शरीर के बाकी हिस्सों को अँधेरी रात में खींच रही थीं। जब वह मरते हुए आदमी की ओर घिसट रहा था, उसके गले से भूख की घुरघुराहट के साथ लंबी, धीमी कराह निकल रही थी।

हड्डीली उँगलियों ने आदमी की कमीज़ को मुट्टी में पकड़ लिया और जीव ने अपना सिर खुले घाव पर गिरा दिया और खून और मांस की दावत उड़ाने लगा। जैसे ही उसने खाया, उभरी हुई हड्डियों के ऊपर मांसपेशियाँ और मांस चढ़ने लगे और मुसीबत इस दृश्य से आनंदित होने लगी। वह ब्लैक क्रो द्वारा रची गई कलाकृति से अपनी आँखें नहीं हटा सकी और उल्लास से तालियाँ बजाने लगी।

"पूरी तरह से पुनर्जीवित होने से पहले उसे खिलाने के लिए और अधिक भोजन की आवश्यकता होगी... लेकिन अभी के लिए यह काफी है," ब्लैक क्रो ने ऊब के स्पर्श से अपनी खरखराती आवाज को सहलाते हुए कहा।

"क्या हम और बना सकते हैं?" मुसीबत ने आग की रोशनी में चमकते हुए खून और उसके थक्कों को देखते हुए पूछा।

"बना सकता हूँ," ब्लैक क्रो ने सरलता से कहा और मुसीबत उसके निहितार्थ को समझ गई... वह ऐसा कर सकता था और वह नहीं कर सकती थी।

"अब युवा दानव... मुझे अपनी शक्ति दिखा," ब्लैक क्रो ने आदेश दिया।

मुसीबत मुस्कुराई और अपने गले में लटकी मकड़ी के पेंडेंट को छू लिया। मकड़ी तुरंत अपने हजारों छोटे समकक्षों में बिखर गई और फिर वापस एक हो गई। ब्लैक क्रो ने दो

मकड़ियों को अपने पैरों के नीचे असमान जमीन पर रेंगते देखा। जीव उसके और मुसीबत के बीच के लगभग आधे रास्ते में रुक गए और फिर मिट्टी में घुस गए।

ब्लैक क्रो चुपचाप खड़ा देखता रहा, जमीन हिलने लगी और एक छोटे से भूकंप के साथ पृथ्वी में एक पतली खूनी लाल रंग की दरार पड़ गई। जैसे ही जमीन झुंझला कर गड़गड़ाने लगी, इस में पेड़ों की सरसराहट और जंगल के जानवरों की चीखें भी शामिल हो गईं। दरार से पांच छाया राक्षस निकले और मैदान पर उड़ान भरने लगे। उनके रोने की आवाज़ चीखों की तरह लग रही थी, रात उनके गीतों से भर गई। वे अलाव के आसपास एकत्रित हो गए और घेरा बना कर उसके चारों ओर नृत्य करने लगे। वे पहले करीब आते और अंतिम पल में वापस खिंच जाते थे।

यह तब तक जारी रहा जब तक कि राक्षस खेल से थक नहीं गए और जंगल के अंधेरे में गायब हो गए... वे शहर की ओर बढ़ गए, जहां वे अपने शिकार को महसूस कर सकते थे। ब्लैक क्रो ने ज़मीन में पड़ी दरार को अपठनीय भावों के साथ देखा। हालांकि, जब वह दांतेदार दरार के पास पहुंचा, तो उसने उस पर पाँव रखा, दरार को बंद कर दिया और अन्य राक्षसों को भागने से रोक दिया।

"अच्छा प्रयास था," ब्लैक क्रो ने कहा। "लेकिन तुम जवान और मूर्ख हो। दुनिया के बीच इतनी पतली रुपहरी लकीर केवल साधारण छाया दानवों को इस दायरे में वापस प्रवेश करने की इजाजत देगी... और हमारे असली सहयोगी तब भी दूसरी ओर फंसे रह जाएंगे। तुम्हें इससे अधिक शक्ति की आवश्यकता होगी!" उसकी आवाज ऊंची हो गई, और फिर शांत हो गई। "जब तक तुम वह शक्ति प्राप्त करोगे, मैं तुम्हारी सेना बनाऊंगा... लेकिन अंततः वे मेरे प्रति जवाबदेह होंगे।"

मुसीबत के पास विनम्रता से स्वीकृति में सिर हिलाने के अलावा कोई विकल्प भी नहीं था। जैसे ही वह पीछे मुड़ी, उसके बचकाने होंठ कुटिलता से मुस्कुराए। बूढ़े दानव की एक बात सही थी, उसे और अधिक शक्ति की आवश्यकता थी... और वह जानती थी कि इसे कैसे प्राप्त किया जाए।

उसने अपने भीतर के अँधेरे को फैलने दिया, और वह गोली की रफ्तार से शहर की ओर चल दी, उसके वंशज भी उसके पीछे चल दिये। उसके मस्तिष्क में एक योजना बनने लगी थी और वह उस शैतानी बच्चे का पता लगाना चाहती थी जो उसकी मदद कर सके। उसे केन के खून के अपने बचे हुए हिस्से को छोड़ना होगा लेकिन अंत ने साधनों को संतुष्ट कर दिया... यह बलिदान सार्थक होगा।

वह शहर के ऊपर से झुगियों की ओर भागी जहाँ उसने एक अस्थायी घर ढूँढ लिया था। अँधेरे की तलाश में गली-गली घूमकर उसने अपने लक्ष्य की गंध पाने की कोशिश की। इस दानव के साथ समस्या यह थी कि वह अपनी आसुरी आभा को छिपाने की क्षमता रखता था। उसकी तलाश में निकली किसी भी चीज़ को वह मानव प्रतीत होता था और यह सबसे बड़ा झूठ था।

खोजते हुए उसे ज़्यादा समय नहीं हुआ होगा, कि मुसीबत को लगा कि कोई संकर बादल उसका पीछा कर रहा है। वह उसकी गतिविधि में शामिल नहीं हुआ था, न ही वह करीब आया, लेकिन उसके कारण वह कदम-कदम पर खौफ महसूस कर रही थी। क्या वह उसके साथ गुफा में फंसने से बच गया था? अगर उसने उसकी योजनाओं में टांग अड़ाने की कोशिश की तो वह उसे अच्छा सबक सिखाएगी। इससे भी बुरा यह था कि दोनों गिरे हुए फरिश्ते उसकी हर हरकत पर नज़र रख रहे थे... अगर वह ऐसे ही करता रहेगा तो वह उन्हें उसके पास ले आएगा।

भोर होने ही को थी, तभी उसे आखिरकार वह छोटा दानव मिल गया, जिसकी उसे तलाश थी। वह छाया से बाहर आया और गली पार कर के दूसरी गली में घुस गया। कुछ दिन पहले मुसीबत अचानक उस से ठोकर खा गई थी, और उसने उसे मानव समझ लिया था... लेकिन बस तभी तक, जब तक कि उसने उन पिशाच के बच्चों को नष्ट नहीं कर दिया, जिन्होंने उस पर हमला किया था।

बाहर से, दानव एक आठ साल के छोटे लड़के से ज्यादा कुछ नहीं लग रहा था, जो गली के चूहे की तरह रह रहा था। उसके कंधे तक लंबे घुँघराले काले तेल सने बाल उलझे हुए थे और उसके चेहरे के चारों ओर लटके हुए थे, वह चेहरा, जो पीला था, लेकिन हर तरह से प्यारा और मासूम लगता था। वह इस मानवीय छलावरण को तभी इस्तेमाल करता था, जब वह अपने शिकारों के दिलों और दिमागों को आकर्षित करना चाहता था। उसके कपड़े फटे हुए थे और उसके पास जूते नहीं थे। जब उसने गली में अपने पीछे की ओर देखने के लिए अपना सिर उठाया, तो उसकी आँखें काले हीरे की तरह चमक उठीं।

मुसीबत गली में दाखिल हुई और उस के ऊपर पहुँच गई, फिर वह सीधे उस दानव के सामने उतरी, और उतरते-उतरते ही उसने छोटी गोरी लड़की का रूप ले लिया। वह उसके सामने उतरते हुए नीचे झुक गई, फिर सीधे खड़े हो कर अपनी झालर वाली ड्रेस को झाड़ने लगी।

"हैलो मुसीबत," लड़के ने कहा तो उसकी पतली सी आवाज पर मुसीबत मुस्कुरा दी।

"हैलो साइरस," मुसीबत ने नकल की।

"तुम वही हो ना, जिसने उस रात बस में उन सभी मनुष्यों को एक-दूसरे से मरवा डाला था," लड़का फुसफुसाया।

मुसीबत गर्व से मुस्कुराई, "हाँ मैं ही हूँ, और मुझे तुम्हारे हुनर की ज़रूरत है।"

साइरस ने अपना सिर बगल में झुका लिया। "मैं ऐसा क्या कर सकता हूँ जो तुम पहले ही नहीं कर सकतीं?"

मुसीबत खिलखिलाई और उस मकड़ी के हार को उतारा, जिसमें केन के खून के अवशेष थे और उसे उसके गले में डाल दिया।

"तुम्हें आश्चर्य होगा बच्चे," वह फुसफुसाई।

"क्या मैं खेल पाऊंगा?" लड़के ने मुसीबत को यह एहसास दिलाने के लिए कहा कि यह दानव कितना छोटा था।

"ओह हाँ, तुम जो चाहो वह खेल सकोगे," मुसीबत ने उत्तर दिया।

लड़के की आँखों का कालापन फैल गया, जिससे सभी रंग अवरुद्ध हो गए, और वहाँ बस शून्य के दो अथाह गड्ढे बचे।

"मुझे खेलना पसंद है," लड़के ने कहा और उसके होंठों पर एक दुर्भावनापूर्ण मुस्कान दिखाई दी, जबकि उसकी उंगलियाँ जंजीर के अंत में लटकी हुई मकड़ी के साथ खेल रही थीं।

क्रिस लॉस एंजिल्स शहर की अत्यधिक प्रतिष्ठित अपार्टमेंट इमारतों में से एक की शीर्ष मंजिल के पेंटहाउस में बिस्तर पर लेटा था। टबाथा और उसके प्रति बढ़ती अपनी भावनाओं से बचने के लिए उसने यहाँ शरण ली थी।

उसका दिमाग फिर उस ओर चला गया जब उसने उसे पिछली बार देखा था। अलगाव बेहद दर्दनाक हो जाए, इसके पहले ही वह कुछ दिनों से लगातार उससे दूरी बनाए हुए था। उसके पास न होने के कारण उसकी छाती में दर्द होने लगा था और जब वह अपार्टमेंट में दाखिल हुआ और उसने उसे देखा, जो सो रही थी, और आँसू उसके गालों पर बह कर सूख चुके थे... तो उसके दिमाग में बस यही विचार आया कि उसे पकड़ ले, और हर चीज़ को आसान बना दे।

वह उसके साथ रज़ाई में घुस गया था, उसे तब तक यह महसूस नहीं हुआ, कि वह एकदम नग्न थी, जब तक कि उसने उसे एक सुरक्षात्मक आलिंगन में लपेट नहीं लिया। तभी वह जम गया था, वह एक साथ ही उसकी ओर खिंच भी रहा था, और उससे दूर भी भाग रहा था। वह नींद में उसकी ओर मुड़ी थी, और उसके चारों ओर अपना हाथ डाल कर उसे लिपटा लिया था, जैसे वह अक्सर अपने तकिए के साथ करती थी। जब उसके स्तन उसकी छाती पर दबने लगे, तो वह आत्म-नियंत्रण जिस पर वह गर्व करता था, चूर-चूर हो गया।

महीनों से उसे विचार आ रहा था, कि वह उसे कुछ कर गुजरे... उसके साथ... ऐसे काम जो किए नहीं जा सकते थे, भले ही वह उससे कितना ही प्यार करता था और उसे चाहता था। लेकिन उस पल, वह उसके अंदर उतरना चाहता था चाहे इसमें उस महिला के मरने का जोखिम हो, जिससे वह प्यार करता था। उसने महसूस किया कि उसकी कठोरता धड़क रही है और उसके कोमल मांस को सहला रही है।

तभी बिस्तर पर एक क्रोधित छाया नज़र आई, तो क्रिस जम गया और फिर धीरे से अपना सिर घुमाया, डीन की रुपहरी निगाहों में शिकायतें भरी थीं। अपने प्रेमी के चेहरे पर उस भाव को देखकर वह समझ गया कि उसने दोस्ती की सीमा पार कर दी है, और खतरे की सीमा में दाखिल हो गया है।

वह उस रात डीन के साथ निकल गया था, उसने तय किया था कि वह अपने पिता के समान पाप नहीं करेगा। उसने अपने सीने में फिर से यादों को धड़कते हुए महसूस किया। वह जानता था कि डीन सही कह रहा है, जब तक वह भावनाओं पर नियंत्रण नहीं कर लेता... उसे टबाथा से दूर रहना होगा।

अतिरिक्त एहतियात के तौर पर, उसने सिल्क स्टॉकिंग्स की अपनी नौकरी छोड़ दी, शायद वह उसकी तलाश में वहां जाती। उसने हर संभव प्रयास किया कि टबाथा को खुद से जितना हो सके दूर रखे, लेकिन अलगाव ने उसे ऐसा दर्द दिया था, जैसा उसने कभी महसूस नहीं किया था। जब एक गिरा हुआ फरिश्ता किसी से प्यार करता था... तो यह उस मंज़िल से एक कदम आगे की भावना होती थी, जिसे कोई इंसान प्यार कहता था और वह पागलपन जो अक्सर इंसानों के भीतर पैदा होता था, जब उसमें नज़र नहीं आता था, जिसे वे प्यार करते थे, तो यह प्रतिक्रिया किसी इंसान की तुलना में दस गुना तेज़ हो जाती थी।

क्रिस ने एक बार फिर उन बंधनों को झटका दिया जो उसकी एक कलाई में बंधे हुए थे... वह डीन से नफरत करता था कि उसने उसे रोक रखा था। हालांकि, क्रिस समझ गया था कि लगभग क्या हुआ होगा। अगर उसने अपनी वासना से हार मान ली होती... तो डीन को खोने और साथ ही साथ टबाथा को मारने का दर्द उसके दिमाग को तबाह कर देता।

तभी छत के खुले दरवाजों से हो कर ठंडी हवा का एक झोंका आया, जो उसके नग्न शरीर को सहला गया, तो उसने अपनी आँखें बंद कर लीं। हालाँकि जंजीरें उसे पूरे विशाल अपार्टमेंट में घूमने से नहीं रोकती थीं, लेकिन वह घंटों पहले लेट गया था, लेकिन सो नहीं सका और फर्श पर गोले की शक्ल में पड़ा हुआ रजाइयों का ढेर इस बात की गवाही दे रहा था। क्रिस अब अपने पेट के बल लेटा हुआ था और उसका एक मुड़ा हुआ घुटना गद्दे पर टिका हुआ था और दूसरा पैर चादर के बिल्कुल किनारे से ढका हुआ था।

कमरे में हवा का एक और झोंका आया, जो अपने साथ एक जानी-पहचानी खुशबू समेटे हुए था। क्रिस ने अपनी आँखें खोलीं, और अपने सामने की दीवार के सामने बारीक पर्दों के पीछे नज़र आ रही छाया को देखा। तभी उसे पंखों की एक जोड़ी भी नज़र आई, तो क्रिस खामोशी और उम्मीद के साथ उसे देखने लगा।

डीन छत पर था, उसने अपने राक्षसी शिकार और मायावी गिरे हुए संकर फरिश्ते को एक रात के लिए आराम देने की सोची थी। इमारत की छत से नीचे वाली छत पर उतर कर, वह खुले हुए दरवाजे पर खड़ा होकर क्रिस को देख रहा था। सफेद चादर लातों से एक तरफ फेंक दी गई थी, जिससे चांदनी की रौशनी में उसका नग्न शरीर चमक रहा था। डीन

ने क्रिस के दिल के अकेलेपन को महसूस किया था और वह जानता था कि टबाथा से दूर रहना ही इस दर्द का एकमात्र इलाज होगा।

उसकी निगाह अलौकिक बंधन पर टिकी हुई थी जिसने क्रिस को उसकी अनुपस्थिति के दौरान अपार्टमेंट से भागने से रोक रखा था। वह इस तरह से क्रिस को चोट नहीं पहुंचाना चाहता था, लेकिन वह महसूस कर सकता था कि टबाथा के लिए क्रिस का प्यार दिन प्रतिदिन बढ़ता ही जा रहा है। उसने क्रिस को याद दिलाया था कि इस दुनिया की किसी महिला के साथ सोना उसका खून करने के समान होगा और उसने झूठ नहीं बोला था... गिरे हुए का बीज एक बांझ महिला में भी फल-फूल सकता था। जीवन की रचना के लिए यदि करना पड़ा तो यह बांझपन को ठीक कर देगा... लेकिन वह जीवन उस महिला को मार देगा जो इसे जन्म देगी।

डीन ने क्रिस को अपने पापों का सच भी बताया था... क्रिस को तबाथा से दूर रखने का एक निश्चित तरीका। जब उसे पहली बार इस दुनिया में भेजा गया था तो वह टबाथा की उम्र की ही एक युवा लड़की पर मोहित हो गया था। उसने उसके साथ बहुत अधिक समय बिताया था और इस चीज ने एक दूसरी चीज को जन्म दिया था... उसे एक मानव महिला से प्यार हो गया था।

वह सोचता था कि अभिशाप उसका पीछा नहीं करेगा... यह सोचकर कि जितना वह उससे प्यार करता है, वह एक गिरे हुए बच्चे को जन्म देगा, वह अपनी वासना से हार गया। उसने उसे बढ़ावा दिया, क्योंकि वह भी उसे उतनी ही बुरी तरह चाहती थी। उसे प्यार करना स्वर्ग जैसा था, लेकिन उसके अंदर दानव को पूरी तरह से बनने में केवल कुछ घंटे लगे थे। देर रात उसकी चीखों ने उसे जगाया, और जब उसने देखा, कि उस बच्चे ने उसे अंदर से खाना शुरू कर दिया है, तो उसे अपने ही बच्चे को मारना पड़ा।

क्रिस खुद को धोखा दे रहा था... वह सोचता था कि वह टबाथा को प्यार किए बिना रात-रात भर उसके साथ सो सकता है, लेकिन डीन जानता था कि यह झूठ है... एक खतरनाक झूठ। यदि क्रिस ने अपने प्यार का बीज टबाथा में डाल कर उसके मौत के परवाने पर हस्ताक्षर कर दिये, तो वह कभी भी खुद को माफ नहीं कर पाएगा।

गिरे हुए प्यार को तरसते थे, फिर भी उन्हें एक ऐसी दुनिया में भेज दिया गया, जहाँ वे महिलाओं को छू नहीं सकते थे... उनके पास बस एक दूसरे का साथ बचा था। क्रिस की सुंदरता हमेशा डीन को पास बुलाती थी, उसे मंत्रमुग्ध भी कर देती थी और वह जानता था कि क्यों... क्रिस उनकी तरह के लोगों में राजसी था। उसे राक्षसों से लड़ने के लिए कभी भी इस स्थान पर वापस नहीं भेजा जाना चाहिए था। उसने चुपचाप सोचा कि किसी राजा को यह महसूस करने में कितना समय लगा होगा, कि उसका राजकुमार गायब हो गया है। क्रिस को लाड़ प्यार से पोषित किया जाना चाहिए था।

कमरे में कदम रखते हुए, डीन धीरे-धीरे ऐसे आगे बढ़ा कि उसकी परछाई दीवार पर बनी रहे ताकि क्रिस देख सके कि वह क्या कर रहा है, और अगर चाहे तो उसे रोक सके।

"आज रात शहर के भीतर राक्षस बेचैन हैं... क्या तुम उन्हें महसूस कर सकते हो?" डीन ने उत्तर की अपेक्षा न करते हुए अपनी आवाज शांत रखी। उसके होंठ अलग हो गए

जब क्रिस की उदास आवाज़ कमरे में धीरे से गूंजी।

"उन्हें आने दो।

डीन ने जैकेट को अपने कंधों से खींच लिया और दीवार के पास एक कुर्सी पर फेंक दिया। इसके बाद कमीज की बारी आई... उसने उसका बटन खोला और वह उसके कंधों से फिसल कर एक ढेर की सूरत में फर्श पर जा गिरी। उसने अपनी पैंट का बटन खोला, धीरे से ज़िप को नीचे कर दिया, और जब क्रिस की सांसें थम गईं तो हल्के से लगभग मुस्कुरा दिया। अपने जूते और मोज़े उतारकर, डीन ने अपनी जींस को फर्श पर धकेल दिया और उसमें से बाहर निकल आया।

बिस्तर की ओर बढ़ते हुए, डीन ने एक पल के लिए मसहरी का डंडा पकड़ लिया और क्रिस को देखने लगा, और फिर उसके बगल लेट गया। क्रिस को अपनी तरफ खींचते हुए, डीन पीछे उससे लिपट गया और उसे झटके से अपने पास खींच लिया, उसने उस जलन को किनारे कर दिया, जो उसके दिल में पक रही थी।

वह जानता था कि क्रिस की उदासी की जड़ें टबाथा के प्रति उसके प्रेम में रोपित हैं... आने वाले इस खतरे का आभास उसे उसी रात हुआ था, जब टबाथा और क्रिस की मुलाकात हुई थी। इसीलिए उसने सिल्क स्टॉकिंग्स की पार्किंग में टबाथा पर हमला किया था। उसका इरादा उसे खतरे से आगाह करने का था लेकिन क्रिस ने अपने शरीर को ढाल के रूप में इस्तेमाल करते हुए... और डीन के अपने प्रति जुनून का इस्तेमाल करते हुए उसे रोक दिया था।

क्रिस ने करवट बदली और डीन की ओर देखने के लिए अपना सिर घुमाया। वे एक-दूसरे को देखते रहे जो अमरत्व की तरह लग रहा था, तभी डीन ने तेजी से उनके बीच की दूरी को मिटा दिया और अपने होठों को कामुकता से क्रिस के होठों पर रगड़ा।

तभी क्रिस ने तेजी से सांस ली, तो डीन ने इसका फायदा उठाया और चुंबन को गहरा कर दिया... और अधिक अधिकारपूर्ण। वह रात-रात क्रिस के पास लेटे-लेटे उसे एक ऐसी लड़की के लिए रोते देख कर थक गया था, जिसे वह कभी नहीं पा सकता था। अगर उसके बस में होता, तो वह क्रिस के दर्द को पी जाता और उसे गिरे हुएओं के उग्र प्रेम से बदल देता।

क्रिस को लगा कि उसकी नसों में आग फैलनी शुरू हो गई है लेकिन उसके अपने अपराध बोध ने उसे अपना चेहरा मोड़ने पर मजबूर कर दिया, चुंबन को तोड़ दिया। वह डीन से लिपट गया और डीन को बाहों में समेट लिया, उसके पैरों में पैर लपेट दिये।

डीन ने चुपचाप नीचे क्रिस के सिर को देखा और मन ही मन आह भरी। यह तथ्य ही एकमात्र चीज थी, जिसने उसे शांत कर दिया था, कि क्रिस ने उसे इतनी कसकर पकड़ रखा था। उसने उदासी छंटते महसूस की, लेकिन फिर वह लौट आई। उसने पहले ही फैसला कर लिया था, कि भोर होते ही क्रिस को अपने बंधनों से मुक्त कर देगा, लेकिन क्रिस की अस्वीकृति के सामने, डीन की आँखें चमक उठीं और बंधन गायब हो गए।

एक ही पल में क्रिस ने मुड़कर डीन की कलाइयों को पकड़ लिया, उन्हें गद्दे पर पटक दिया और उन्हें वहीं पकड़े रखा।

You've Just Finished your Free Sample

Enjoyed the preview?

Buy: <http://www.ebooks2go.com>